शैक्षिक सत्र–2025–26
(32) ट्रेड–इम्ब्राइडरी
कक्षा–11

उद्देश्य–

1–विभिन्न प्रकार की यन्त्र कलाओं में प्रयोग किये जाने वाले उपकरणों, साज–सामानों एवं सहायक सामग्री को चुनने में।

2–साज–सामान के रख–रखाव एवं उपयोग से सम्बन्धित कौशल के विकास में।

3–उपलब्ध स्रोतों के अधिकाधिक प्रयोग को सुनिश्चित करने में।

4–हाथ कढ़ाई के लिये कल्पनात्मक सौन्दर्य के ज्ञान का विकास करने में।

5–बाजार की नवीनतम प्रवृत्ति के साथ सम्बन्ध स्थापित करने में।

6–योजना के निर्माण, संचालन, निर्देश और रख–रखाव में आत्म निर्भरता।

7–नियोजन ढंग से कार्य को विस्थापन करने में।

8–बण्डल के बांधने की विभिन्न विधियों का चुनाव करना।

9–पारस्परिक उद्योगों के विकास को समझना और उसे आत्मसात करना।

10–उपलब्ध साधनों और यन्त्र कलाओं से मूल डिजाइन की रचना करना।

11–आवश्यक सूचना देने के लिये साधारण संचार साधनों की तकनीक का प्रयोग करना।

रोजगार के अवसर–

1–स्वरोजगार एवं मजदूरी रोजगार–

निम्नलिखित व्यवसाय स्वरोजगार की श्रेणी में आतें हैं अर्थात् (पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद अपनी इकाइयां लगा सकते हैं), मजदूरी रोजगार अर्थात् (दूसरों के लिये रोजगार उपलब्ध करा सकते हैं)–

(1) कढ़ाई करने वाला।

(2) कढ़ाई के लिये डिजाइन बनाने वाला।

(3) अभिरुचि कक्षायें चलाना (Hobby Classes)।

2–केवल मजदूरी रोजगार (Wage Employment)&

(1) संग्रहालय सहायक (टेक्सटाइल अनुभाग या कढ़ाई अनुभाग)।

(2) निर्देश (कार्यानुभव के लिये/स्कूलों में हैण्ड इम्ब्राइडरी)।

इस पाठ्यक्रम की सफलता हेतु एक शिक्षक/प्रशिक्षण की आवश्यकता हो सकती है।

पाठ्यक्रम–

इस ट्रेड में तीन–तीन घण्टे के पांच प्रश्न–पत्र और प्रयोगात्मक परीक्षा भी होगी। अंकों का विभाजन निम्नवत् रहेगा–

	पूर्णांक		उत्तीर्णांक	
(क) सैद्धान्तिक–				
प्रथम प्रश्न–पत्र	60	300	20	100
द्वितीय प्रश्न–पत्र	60		20	
तृतीय प्रश्न–पत्र	60		20	
चतुर्थ प्रश्न–पत्र	60		20	
पंचम प्रश्न–पत्र	60		20	
(ख) प्रयोगात्मक–	400		200	

टीप–परीक्षार्थियों को लिखित प्रश्न–पत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 20 तथा योग में 33 प्रतिशत अंक एवं प्रयोगात्मक परीक्षा में 50 प्रतिशत उत्तीर्णांक पाना आवश्यक है।

पाठ्यक्रम
प्रथम प्रश्न–पत्र
(टेक्सटाइल एवं डिजाइन)

1–टेक्सटाइल का सामान्य ज्ञान।	6
2–वस्त्रों का परिचय, कढ़ाई में प्रयोग किये जाने वाले यंत्रों का अध्ययन।	6
3–धागे का परिचय, चिकन एवं अन्य कढ़ाई में प्रयोग किये जाने वाले धागों का परिचय।	8
4–डिजाइन की परिभाषा, डिजाइन का सिद्धान्त।	8
5–डिजाइन नाम में उपयोगी सामग्री का अध्ययन।	8
6–परिप्रेक्ष्य के सिद्धान्त, वर्गीकरण परिप्रेक्ष्य का डिजाइन में प्रयोग।	8

7—रंग की परिभाषा, सिद्धान्त रंगचक्र का अध्ययन।	8
8—रंग योजना का विस्तृत अध्ययन।	8

द्वितीय प्रश्न—पत्र
(इम्ब्राइडरी)

1—भारतीय वस्त्र एवं कढ़ाई।	4
2—उत्तर प्रदेश के कढ़े हुये वस्त्र, चिकन, जरदोनी सलमा, सितारा, सीप इत्यादि।	8
3—कढ़े हुये वस्त्रों की विशेषता।	4
4—चम्बा की कढ़ाई, कला, डिजाइन, कलावस्तु, रंग योजना, स्टिच आदि।	8
5—पंजाब की फुलकारी, डिजाइन, रंग योजना, स्टिच वस्त्र इत्यादि।	6
6—मुकेश की कढ़ाई की डिजाइन, तकनीक विशेषता।	6
7—काठियावाड़ी फुलकारी परिचय, डिजाइन, स्टिच, रंग योजना, वस्त्र।	8
8—शीशेदार फुलकारी परिचय, डिजाइन, रंग योजना, वस्त्र स्टिच।	8
9—बिहार और बंगाल की कढ़ाई, कैथल काया, कामदानी का कार्य, सुजनी।	8

तृतीय प्रश्न—पत्र
(हैण्ड इम्ब्राइडरी व चिकन वर्क)

1—चिकन की कढ़ाई का परिचय—उत्पत्ति एवं विकास।	8
2—चिकन की कढ़ाई की विशेषतायें, महत्व।	8
3—चिकन कढ़ाई के वस्त्रों का अध्ययन।	8
4—चिकन कढ़ाई की स्टिच का विस्तृत अध्ययन।	8
5—चिकन कढ़ाई का वर्गीकरण।	6
6—चिकन कढ़ाई में प्रयोग किये जाने वाले डिजाइनों का विश्लेषण।	8
7—चिकन कढ़ाई के उदाहरण और उनकी समीक्षा।	8
8—चिकन कढ़ाई में आधुनिक परिवर्तन।	6

चतुर्थ प्रश्न—पत्र
(एडवांस डिजाइन एवं इम्ब्राइडरी)

1—भारतीय परम्परा के पुराने वस्त्रों के कठिन डिजाइनों का विश्लेषण, इन डिजाइनों का आज के वस्त्र का प्रभाव।	8
2—आधुनिक दुपट्टों का फैशन—रंग योजनायें, तकनीक इत्यादि का विस्तृत अध्ययन।	8
3—विभिन्न प्रकार के स्टाइलिंग कढ़े हुये दुपट्टों का अध्ययन।	6
4—स्कर्ट, ब्लाउज, लहंगा इत्यादि कटाई का फैशन के अनुसार अध्ययन।	6
5—फैशन के अनुसार कटे, आकर्षक ब्लाउज का अध्ययन, रंग योजना, तकनीक डिजाइन।	8
6—फैन्सी सलवार, सूट के कढ़ाई का अध्ययन, रंग योजना, तकनीक डिजाइन विश्लेषण।	8
7—कढ़ाई द्वारा तैयार की गयी विशिष्ट साड़ियों का अध्ययन, रंग योजना, तकनीक डिजाइन विश्लेषण।	8
8—एप्लीक वर्क से वस्त्रों का विशेष आकर्षण डिजाइनों का क्रमशः अध्ययन एवं आधुनिक फैशन के अनुसार डिजाइन का निर्माण करना।	8

पंचम प्रश्न—पत्र
(इम्ब्राइडरी उद्योग एवं प्रबन्ध)

1—इम्ब्राइडरी उद्योग के स्वरूप का अध्ययन।	6
2—विभिन्न प्रकार के इम्ब्राइडरी उद्योगों का अलग—अलग अध्ययन करना।	8
3—इम्ब्राइडरी उद्योग लगाने के लिये स्थान, वातावरण का चुनाव करना।	8
4—इम्ब्राइडरी उद्योग लगाने के लिये धन की सहायता के साधनों का विस्तृत अध्ययन करना।	8
5—उद्योग लगाने के लिये इम्ब्राइडरी के अलग—अलग उद्योग का माडल प्लान तैयार करना।	8
6—उद्योग के पोर्ट फोलियों का महत्व एवं आवश्यकता, लाभ।	6
7—अपने इम्ब्राइडरी उद्योग में उत्पादित किये जाने वाले वस्त्र और उनकी विशेषतायें।	8
8—कढ़े हुये वस्त्रों का मूल्य निर्धारित करना और लगाये गये उद्योग में उत्पादन की सूची तैयार करना।	8

प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्न—पत्र के सन्दर्भ में—

1—कढ़ाई किये गये वस्त्रों को दिखाना एवं वस्त्रों को पहचान करना।
2—धागा एवं ऊन द्वारा कढ़े हुये वस्त्र तैयार करना।
3—डिजाइन का निर्माण करना।
4—सभी उपकरण एवं सामग्री का रेखाचित्र तैयार करना।

5—परिप्रेक्ष्य का विभिन्न रेखाचित्र तैयार करना।
6—रंग चक्र का निर्माण करना।
7—सभी रंग योजना का नमूना तैयार करना।

द्वितीय प्रश्न—पत्र के सन्दर्भ में—

1—गोटा लगाकर वस्त्र पर डिजाइन तैयार करना (दुपट्टा)।
2—जरी की कढ़ाई के साथ गोटे का संयोजन (सूट या साड़ी)।
3—चम्बा की कला पर आधारित कढ़ाई डिजाइन का निर्माण।
4—चम्बा कढ़ाई से रूमाल का निर्माण।
5—सलमा, सितारा, सीप, मोती की कढ़ाई के वस्त्र तैयार करना।
6—मुकेश के कार्य का दुपट्टे या साड़ी पर प्रयोग।
7—(1) पंजाबी फुलकारी के लिये रंगीन डिजाइन का निर्माण करना।
(2) कपड़े का प्रयोग।
8—(1) काठियावाड़ कढ़ाई के लिये डिजाइन का निर्माण।
(2) बनी हुई डिजाइन का कपड़े का प्रयोग।

तृतीय प्रश्न—पत्र के सन्दर्भ में—

1—चिकन की कढ़ाई के लियें कपड़े की तैयारी करना, डिजाइनिंग, ट्रेसिंग इत्यादि।
2—चिकन की मुर्री, कढ़ाई के लिये शैडो वर्क का डिजाइन तैयार करना।
3—शैडो वर्क का कपड़े पर प्रयोग।
4—कसीदे के द्वारा चिकन की कढ़ाई करना, नमूना तैयार करना।
5—विभिन्न प्रकार के स्टिचों का अभ्यास एवं प्रयोग, नमूना तैयार करना।
6—मुर्रीकार चिकनकारी करना तथा नमूना तैयार करना।
7—जाली का प्रयोग डिजाइन में करना (नमूना तैयार करना)।
8—कामदार चिकन का प्रयोग, नमूना तैयार करना।
9—मलमल या आरगण्डी पर मुण्डी मुर्री, थपाली, ढोक इत्यादि का प्रयोग।

चतुर्थ प्रश्न—पत्र के सन्दर्भ में—

1—कठिन एवं विशेष डिजाइन का निर्माण करना।
2—आकर्षक जरी के प्रयोग द्वारा दुपट्टे को डिजाइन करना, रंगीन कागज और गोटे द्वारा प्रस्तुत करना।
3—फुलकारी वर्क से कढ़े हुये दुपट्टे की डिजाइन तैयार करना।
4—विभिन्न प्रकार के लंहगों इत्यादि फैन्सी कढ़ाई के डिजाइनों का निर्माण करना (पेपर वर्क)।
5—ब्लाउज की डिजाइनों का कढ़ाई के अनुसार निर्माण करना (पेपर वर्क)।
6—सलवार सूट के कपड़े की आकर्षक डिजाइन तैयार करना (पेपर वर्क)।
7—चिकन वर्क की विशेष डिजाइन का निर्माण साड़ी के लिये करना (पेपर वर्क)।

पंचम प्रश्न—पत्र के सन्दर्भ में—

1—विभिन्न प्रकार के कढ़ाई उद्योगों का भ्रमण करना, उद्योग की प्रक्रिया का विश्लेषण करना।
2—इम्ब्राइडरी दुकानों, कारीगरों द्वारा विशेष ज्ञान व अनुभव प्राप्त करना।
3—भ्रमण किये गये उद्योगों का अलग—अलग प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करना।
4—उत्तर प्रदेश के कढ़ाई डिजाइन की पोर्ट फोलियो तैयार करना।
5—उत्तर प्रदेश के कढ़े हुये वस्त्रों की पोर्ट फोलियो तैयार करना।
6—गुजरात के कढ़ाई डिजाइन की पोर्ट फोलियो तैयार करना।
7—गुजरात, राजस्थान के विशेष कढ़े हुये वस्त्र को एकत्र करके आकर्षक पोर्ट फोलियो तैयार करना।
8—पंजाब के कढ़े हुये वस्त्रों के डिजाइन का पोर्ट फोलियो तैयार करना।

प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम

प्रयोगात्मक परीक्षा की रूपरेखा

इम्ब्राइडरी विषय की प्रयोगात्मक परीक्षा का विभाजन निम्नवत् होगा—

आन्तरिक मूल्यांकन—200 अंक

वाह्य परीक्षा की रूपरेखा—

नोट—समय 10 घंटा दो दिनों में (लघु प्रयोग दो दिये जाये, प्रत्येक का समय 22=4 घण्टे। दीर्घ प्रयोग एक दिया जाय, प्रयोग का समय 6 घण्टे)।

लघु प्रयोग—

प्रयोग नं0 1	20 अंक	2 घण्टे
प्रयोग नं0 2	20 अंक	2 घण्टे
मौखिक	10 अंक	—
योग ..	50 अंक	

दीर्घ प्रयोग–

प्रयोग नं0 1	130 अंक	6 घण्टे
मौखिक	20 अंक	–
योग ..	150 अंक	
कुल योग ..	200 अंक	

प्रयोगात्मक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये 50 प्रतिशत अंक पाना आवश्यक है।

दीर्घ प्रयोग–

1–कढ़ाई के लिये रंगीन डिजाइन निर्माण करना कागज एवं कपड़े पर।

2–डाट्स, लाइन एवं ज्यामितीय आकारों पर आधारित डिजाइन का निर्माण करना एवं कपड़े का प्रयोग।

3–लोक कला पर आधारित डिजाइन की कढ़ाई करना।

4–पारम्परिक कढ़ाई परिधानों पर करना।

5–जरी की कढ़ाई के साथ गोटे की डिजाइन बनाना।

6–सलमा, सितारा, सीप, मोती की कढ़ाई करना।

7–मुकेश की कढ़ाई करना।

8–कैनवस कढ़ाई से छोटे कैनवस बनाना।

9–संयोजित कढ़ाई करना।

10–उल्टी बखिया, शैडी वर्क जाली के द्वारा कुर्ता या अन्य वस्त्र पर कढ़ाई करना।

11–दुपट्टा पर पारम्परिक चिकन की कढ़ाई करना।

12–ब्लाउज पर शीशे की सजावटी कढ़ाई करना।

13–एप्लीक वर्क की कढ़ाई दुपट्टा या मेजपोश पर करना।

लघु प्रयोग–

1–कढ़े हुये वस्त्रों की कढ़ाई एवं टांके की पहचान तथा टांका बनाना।

2–कलर स्कीम तैयार करना, कागज और कपड़े पर।

3–गोटा लगाकर वस्त्र पर डिजाइन तैयार करना।

4–चिकन की कढ़ाई के लिये वस्त्र को तैयार करना।

5–चिकन की कढ़ाई के लिये मुर्री, शैडो वर्क की डिजाइन तैयार करना।

6–जरीदार चिकन का नमूना बनाना (छोटा)।

7–कामदार चिकन का छोटा नमूना बनाना।

8–फैन्सी कढ़ाई के डिजाइन का निर्माण कागज पर करना।

9–फैन्सी सलवार सूट की आकर्षक कढ़ाई की डिजाइन का नमूना तैयार करना एवं कढ़ाई के टांकों और रंग को निश्चित करना।

10–मॉडल पर कढ़ाई के वस्त्र को डिस्प्ले करना।

11–तैयार पोर्ट फोलियो को दिखलाना।

नोट–परीक्षक पाठ्यक्रम से अन्य दीर्घ एवं लघु प्रयोग परीक्षार्थियों को दे सकते हैं।

पुस्तकों की सूची–

(1) Indian Embroidary--Phylls Ackerman.
(2) Phulkari--T. N. Mukarjee.
(3) Indian Embroidary--Victoria Albert Museum.
(4) Himanchal Embroidary--Subhashni Arya.
(5) Phulkari from Bhatinda--Baljit Singh Gill.